Dr. Sangita Kumari Saha
B.A D-I (H) IInd paper

Continue

Leadership.

Situational theory.

परिस्थिति जन्य सिद्धान्त का प्रतिपादन शीलगुण सिद्धान्त से उत्पन्न असंतुष्टि के फलस्वरूप हुआ। जब समाज मनोवैज्ञानिकों को यह पूर्ण विश्वास हो गया कि शीलगुण सिद्धान्त से नेतृत्व के उद्भव की व्याख्या नहीं की जा सकती है तो इन लोगों ने group situation की विशेषताओं की ओर मुड़े। इस सिद्धान्त के अनुसार नेतृत्व उद्भव में व्यक्ति के शीलगुणों का हाथ नहीं बल्कि समूह परिस्थिति की विशेषताओं का हाथ होता है। समूह का नेता कौन व्यक्ति होगा उसका निर्धारण व्यक्ति के व्यक्तित्व शीलगुणों द्वारा नहीं बल्कि समूह की वर्त्तमान परिस्थिति या समय द्वारा होता है। इसलिए इस सिद्धान्त को Time theory या Zeitgeist theory भी कहा जाता है।

इस सिद्धान्त के अनुसार नेता जन्मजात नहीं होते बल्कि परिस्थितियों में उलझकर उत्पन्न होते हैं। इस सिद्धान्त के अनुसार एक व्यक्ति एक परिस्थिति में नेता हो सकता है लेकिन दूसरी परिस्थिति में वह नेता नहीं भी हो सकता है क्योंकि परिस्थिति की विशेषताओं न कि शीलगुणों द्वारा नेता पद किसी व्यक्ति विशेष को मिलता है। Feldman (1985) ने इस सिद्धान्त की व्याख्या करते हुए कहा "The Situational approach implies that a particular individual can be leader in one setting and not in another because it is the characteristics of the situation and not the person that lead

to leadership attainment".

स्पष्ट है कि Situational theory के अनुसार समूह का नेता कौन होगा, इस बात का निर्धारण परिस्थिति या समय करता है। Cooper & Mc Gaugh (1969) ने इस सिद्धांत के समर्थन में अध्ययन कर कुछ तथ्यों को प्रकाश में लाया है। इन लोगों का कहना है कि Hitler ने जर्मनी के बदले अमेरिका में यदि अपना आन्दोलन छेड़ा होता, तो उसे जेल में फेंक दिया जाता या किसी मानसिक रोगशाला में भर्ती करा दिया जाता। परन्तु जर्मनी में उस समय की परिस्थिति ही कुछ ऐसी थी जो उन्हें नेता बना दिया।

समूह परिस्थिति की कौन-कौन सी विशेषताएँ हैं जिनसे नेतृत्व का उद्भव प्रभावित है। इस सिलसिले में अनेकों अध्ययन किये गये हैं। कुछ प्रमुख अध्ययनों में जो समूह विशेषताएँ सामने आयी हैं वे इस प्रकार हैं — Carter et al (1951) एवम् हेम्फिल तथा उसके सहयोगियों के अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि जब समूह बड़ा होता है तो उसमें कई तरह के नेता के उत्पन्न होने की सम्भावना अधिक हो जाती है। Kurokawa & Misumi (1975) ने अपने अध्ययन के आधार पर बतलाया कि समूह के आकार द्वारा नेतृत्व के प्रकार का भी निर्धारण होता है जैसे Task Oriented leaders की उत्पत्ति बड़े समूहों में होती है परन्तु छोटे समूहों में सांवेगिक नेता की उत्पत्ति अधिक होती है।